**MHNSC-3.2**

**Sl. No.**

# III Semester M.A. Degree Examination, October/November-2025

## HINDI

## विशेष कवी कबीरदास

## Vishesh Kavi Kabirdas

## (CBCS SLM Scheme)

**Time : 3 Houns** **Maximum Marks:80**

**Instructions to candidates: All Sections are compulsoy.**

### SECTION - A

**किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए।** **(4×5=20)**

1. गुरु गोविंद दोऊ खडे काके लागुं पात्र।
   बलिहारी गुरु अपने जिन गोविंद दियो बताय।।
2. ''प्रियतम को पवित्रा लिखूं को कहीं होय विदेस।
   तन में, मन में नैन में, ताकौं कहा सन्देश।।''
3. 'जल में कुंभ कुंभ में जल है भीतर बाहर पानी।
   फूट कुंभ जल जलाहे सयाना, वह तन का हो गयानी।।''
4. कबीर निर्भय राय जसु, जब लगी दीवा बाती।
   तेल धटा बाती मुझे, तब सोरी दिन राती।।''
5. कबीर माला काठ की, कहिए समझावै नाहि।
   मन न फिखौ आपणा, कहा फिरावै मोंहि।।
6. पाहन पूजैं व्दारे मिलैं तौ मैं पूजूं वहार।
   धर की चाकी कोई न पूजै खाय संसार।।

### SECTION - B

**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **(3×10=30)**

7. कबीरदास की सामाजिक विडम्बनाओं पर प्रकाश डालिए।
8. कबीरदास की दार्शनिकता पर विचार कीजिए।

**[P.T.O.**

9. ''कबीर, वाणी के डिक्टेटर थे''– इस कथन की समीक्षा कीजिए।

10. ज्ञानाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

11. कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

## SECTION - C

**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **(2×15=30)**

12. ''संत कवि कबीरदास समाज सुधारक के रुप में स्थापित है'' इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

13. भक्तिकालीन कवियों में कबीरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

14. कबीर के काव्य में चित्रित सामाजिक चेतना की आलोचना कीजिए।

15. कबीर की भक्ति–भावना का विवेचन कीजिए।